



यश-364

(हाइब्रिड बाजरा बीज)

बीज दर :- 1.5-2 किग्रा प्रति एकड़ ।
बुवाई का समय :- 10 जून से 15 जुलाई (पछेती बिजाई होने पर पैदावार में गिरावट हो सकती है ।)
बुवाई का तरीका : कतार से कतार की दूरी 45 सेमी. एवं पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेमी. रखें ।
भूमि की तैयारी :- भूमि को 2-3 बार गहरी जुताई कर पाटा लगाकर समतल कर लें ।

भूमि प्रकार :- लवणीय व क्षारीय न हो । चिकनी मिट्टी अधिक न हो ।

उर्वरक प्रबंधन :- नत्रजन 32-35 किग्रा प्रति एकड़
 फास्फोरस 20-22 किग्रा प्रति एकड़
 पोटाश 12-15 किग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार :- 2-2.5 ग्राम थायरम 75% WS अथवा कार्बेन्डाजिम 50% wp प्रति किलो बीज दर से ।

डाउनी मिल्डयू के नियंत्रण हेतु एग्रॉन (मेटालैक्सिल 35% WS 4-5 ग्राम प्रति किग्रा बीज ।

सिंचाई :- 2-3 सिंचाई (सिंचित क्षेत्रों में), असिंचित क्षेत्र में वर्षा पर निर्भर ।

खरपतवार नियंत्रण :- 25-30 दिन बाद एक निराई-गुड़ाई ।

रासायनिक नियंत्रण :- एट्रिजिन 50%WP 400-600 ग्राम प्रति एकड़ (बुआई के पश्चात अंकुर से पूर्व)

रोग एवं कीट प्रबंधन :-

डाउनी मिल्डयू, एग्रॉट, स्मट :-

बीज उपचार अनिवार्य एवं फसल चक्र अपनाएं ।

मेटालैक्सिल 1-1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव ।

तना छेदक एवं सफेद लट :- फोरेट 10 CG 4-5 किग्रा अथवा क्यूनालफास 5G 5-10 किग्रा प्रति एकड़ की दर से बिजाई के समय मृदा में मिलाकर प्रयोग करें ।

पकाव एवं कटाई :- सामान्यतः पकाव 82 से 87 दिन में हो जाता है (अनुकूल वातावरण पर स्थितियां होने पर) कटाई दाने ठोस होने पर करें एवं भण्डारण 10-12% नमी आने पर करें ।

चेतावनी :- उपरोक्त सुझाई गई विधियां कम्पनी के अनुसंधान केंद्रों पर लिए गए परीक्षणों पर आधारित हैं इसमें स्थान व पर्यावरण के अनुसार बदलाव संभव है । अच्छी फसल की प्राप्ति के सम्बंध में मार्गदर्शन के लिए निकटतम राज्य कृषि विश्वविद्यालय / कृषि विज्ञान केंद्र / निकटवर्ती कृषि अधिकारी से सलाह लें ।

निर्माता एवं विपणनकर्ता :

जय शंकर सीड्स प्रा. लि.

E-176, फेज फस्ट, रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया
श्रीगंगानगर - 335002 (राजस्थान)



जस-364

(हाਈब्रिड घासरे दे घीज)

घीज की दर :- 1.5-2 किलोग्राम पृती ऐकड़
बिजायी दा सभां :- 10 जून ते 15 जूलाई (जेकर बिजायी देर नाल कीती जावे तां झाड़ षॉट सकदा है।)

बिजायी दा तरीका :- कतार ते कतार दा ढासला 45 मैटीमीटर अते पेंदे ते पेंदे दा ढासला 10-15 मैटीमीटर रेंखे।

जमीन की तियाारी :- जमीन नूँ 2-3 वार डूँया वारो अतेसु हागे दी वरते करके इसनूँ पेंपर करे।

मिंटी दी किसम धारी नही हेटी चाहीदी। सिआदा चीकनी मिंटी नही हेटी चाहीदी।

धाद पृषंपन :- नाएीटरेजन 30-32 किले पृती ऐकड़
 ढासढेरस 15 किले पृती ऐकड़
 पेटास 12-15 किले पृती ऐकड़

घीज ऐपचार :- 2-2.5 ग्राम बीरम 75% WS जां कारबेंडाजिम 50% WP पृती किले घीज।

डाउनी ढढूँदी दे निजंतरेन लएी अपरेन (मेटालैक्सिल 35% डबलजुअेस) 4-5 ग्राम पृती किले घीज दी वरते करे।

सिंचायी :- 2-3 सिंचायीआं (सिंचायी वाले खेतरां विंच), गौर-सिंचायी वाले खेतरां विंच धारिसु दे आधार ते।

नदीनां दी रेकषाम :- हर 25-30 दिनं धाअद ऐक गेडी।

रिसाएिएक निजंतरेन :- ऐटराजिन 50% WP 400-600 ग्राम पृती ऐकड़ (बिजायी ते धाअद अते पुंगरन ते पहिलां)

रेग अते कीट पृषंपन :-

डाउनी ढढूँदी, ऐगरेट, कांगिआरी :-

घीज दा ऐलाज लाजमी है अते ढसली चंकर दी सिढारस कीती जांदी है। मेटालैक्सिल नूँ 1-1.5 ग्राम पृती लीटर पाटी दी दर नाल सपरे करे।

डंडी ढेदक अते चिंटा गरध :- ढेरेट 10 CG 4-5 किलेग्राम जां

बिजायी सभे मिंटी विंच 5-10 किले पृती ऐकड़ क्वाइलढेस 5G पाए।

पंकेना अते वाची :- आभ तेंर ते पंकेना 82 ते 87 दिनं विंच हुंदा है (अनुकूल वातावरणक हालतां विंच)। जदे दाटे ठेस हे जांदे हन तां वाची करे अते जदे नमी दी मातरा 10-12% तंके पहुंच जांदी है तां सटेर करे।

साढवाणी :- ऐपरेकड सुझाए गऐ तरीके कंपनी दे खेज केदरां ते कीते गऐ पतीधनां ते अघारत हन अते सषान अते वातावरण दे आधार ते ढंख-ढंख हे सकदे हन। चंगी ढसल पुापड करन लएी मारग दरसन लएी, आपटे नजदीकी राज खेतीघाती जूनीवरसिटी/खेतीघाती विगिआन केदर/नेडले खेतीघाती अपिकारी नाल सलाह करे।

निरमाता अते मारकित :

जै संकर सीड्स प्रा. लि.

E-176, ढेज-1st, RIICO इंडस्टरीअल ऐरीआ
सुी गंगानगर - 335002, राजसषान